

20/9/24

पतावली पेशापुरी। अधि. प्राप्ति मय प्राप्ति अनुपास्वित।
रक्त-रक्त मरलीन-वार भावापे प्रिवारि मरी। समप्र
सोम 5pm से पुता हों। कतः प्राप्ति मय अधि. प्राप्ति के
अनुपास्वित रघे पर प्राप्ति का प्रपिना-पत्र अप्रम रानरी।
अदम पेशी में स्वदिप क्रिया पाता है। पतावली प्रसक्त
अुमार होनए नखरले मय ही
विर्षन खुने वित्तम सुवापगपा।

